an>

Title: Need to take suitable measures for flood management in North Bihar.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर) ः बिहार की कुल आबादी का 76 प्रतिशत भाग कृषि पर निर्भर है और इसमें एक तिहाई से ज्यादा भाग खेतों की सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भर करता है। बिहार का एक हिस्सा हर साल बाढ़ की चपेट में रहता है और दूसरा हिस्सा सूखे की चपेट में। केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में बाढ़ एवं सुखाड़ की समस्या का समाधान करने हेतु जो स्थाई उपाय किये जाने हैं वह अभी तक नहीं किये गये हैं। उत्तरी बिहार के कई जिले बाढ़ से प्रभावित रहते हैं जिसमें करोड़ों रूपये की फसल को नुकसान पहुंचता है और कई लोगों की जाने चली जाती हैं और सैंकड़ों पशुओं की मौत हो जाती है। इस साल किशनगंज, पूर्णियां, अररिया, कटिहार, मुजफ्फरपुर, सुपौल, सहरसा एवं गोपालगंज जिलों में कुल 43 प्रखंडों के 2152 गांव के 20 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित रहे हैं। बाढ़ से बचने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले ठोस कदम जैसे कोशी क्षेत्र में हाई लेवल डैम कमला के ऊपर चीसापानी में हाई लेवल डैम, व बागमती के ऊपर नूनथर में हाई लेवल डैम निर्माण हेतु सरकार का रवैया निराशाजनक रहा है। सोन नहर की मरम्मत के लिए सरकार द्वारा दी गई राशि का इस कार्य में अभी तक उपयोग नहीं किया गया है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि बिहार में हर साल आने वाली बाढ़ की समस्या का स्थाई समाधान किया जाये जिससे देश में खाद्यान्न एवं सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाया जा सके।